



M 6482

Reg. No. : .....

Name : .....

**II Semester B.A./B.Sc. Degree (CCSS – Reg./Supple./Improv.)**

**Examination, May 2014**

**COMMON COURSE IN HINDI**

**2A08 HIN : Prose and One Act Play for Communication Skill**

Time: 3 Hours

Max. Weightage : 30

**निर्देश : किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। ( Weightage 2 for each) :**

1. जो कथाएँ हृदय का बाँध तोड़कर, दूसरों को अपना परिचय देने के लिए बह निकलती है, वे प्रायः करुण होती हैं और करुणा की भाषा शब्दहीन रहकर भी बोलने में समर्थ हैं।
2. न्याय और व्याकरण की बारीकियों के विषय में पंडितों द्वारा की गयी चर्चाएँ और शास्त्रार्थ, संस्कृत ज्ञान हीन पुरुषों के लिए स्टीम इंजन के फफू फफू शब्द से अधिक अर्थ नहीं रखते ।
3. मेरी उपेक्षा से उस विदेशी को चोट पहुँची, यह सोचकर मैं ने अपनी नहीं को और अधिक कोमल बनाने का प्रयास किया.
4. यहाँ के हर रास्ते पर निरर्थक टँगी हुई विवशता भी है और संपन्नता भी। यहाँ का हर चौराहा शहर के उहराव को संचालित करने की पूरी कोशिश करता है।
5. बाबा के चारों तरफ नाहर पालतू कुत्तों की तरह पहरा दे रहे थे। राजा डरा, लेकिन बाबा ने उसे सांत्वना दी। (3×2=6)

**निर्देश: किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए (Weightage 2 for each) :**

6. रेखाचित्र के क्षेत्र में महादेवी वर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए।
7. टी. बटरोही इलाहाबाद के बुद्धिजीवियों के बारे में क्या लिखते हैं ?

P.T.O.



8. रैणका ताल के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
9. इलाहाबाद के चौक की क्या क्या विशेषताएँ हैं ?
10. चीनी फेरीवाले के मन में अपने राष्ट्र के प्रति अटूट श्रद्धा और लगाव था - इस कथन की समीक्षा कीजिए। (3×2=6)

**निर्देश: एक प्रश्न पर निबन्ध लिखिए (Weightage 4) :**

11. पठित निबन्ध, के आधार पर 'मेरी हिमाचल यात्रा' का वर्णन कीजिए।
12. आचरण की सत्यता निबन्ध में अभिव्यक्त लेखक के विचारों को स्पष्ट कीजिए। (1×4=4)

**निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए (Weightage 1) :**

13. यद्यपि नाहन पहाड में है, लेकिन वहाँ पहाडी भाषा कब की लुप्त हो चुकी है और उसकी जगह कौरवी बैठ गई है। सब से अधिक हमें भय था रात के वक्त मच्छरों का।
- 1) यह गद्यांश किस पाठ का है ?
  - 2) रचनाकार कौन है ?
  - 3) नाहन में कौनसी भाषा बोली जाती है ?
  - 4) रात के वक्त सब से अधिक डर किसका होता है ? (1×1=1)

**निर्देश : किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (Weightage 2 for each) :**

14. जिस राज्य पर तुम्हारा रस्ती भर अधिकार नहीं था, उसको पाने के लिए तुमने युद्ध ठाना, वह स्वार्थ का तांडव नृत्य नहीं तो और क्या है ?
15. जब मेरे पिता को राज्य मिल गया, तब उसके पश्चात उस पर मेरा अधिकार हुआ था नहीं ? क्या राजनियम यह नहीं कहता ?
16. अरे पापी ! यदि प्राणों का इतना मोह था, तो फिर यह महाभारत क्यों मचाया ? न्याय को ठोकर मारकर अन्याय का पथ क्यों ग्रहण किया ?



17. जानते नहीं, अब जनता का राज है और जनता के राज में, जनतंत्र में जनता की प्रतिष्ठा होती है।

18. जब तक सरकार और उसके अधिकारी ठीक आचरण नहीं करेंगे, तब तक जनता प्रदर्शन करती ही रहेगी, कानून हाथ में लेते ही रहेगी। (3×2=6)

निर्देश : किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए (Weightage 2 for each) :

19. कैप्टन विजय का चरित्र चित्रण कीजिए।

20. 'सीमारेखा' एकांकी में विष्णु प्रभाकरजी पाठकों को क्या संदेश देना चाहता है ?

21. 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर विशेषताएँ बताइए।

22. दुर्योधन का चरित्र चित्रण कीजिए।

23. एकांकी कला की दृष्टि से 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी की समीक्षा कीजिए। (3×2=6)

24. निर्देश: निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए (Weightage 1) :

अपने सारे सहयोगियों की हत्या का कलंक अपने माथे पर लगाकर तू कायरों की भांति अपने प्राण बचाता फिरता है। तुझे लज्जा नहीं आती।

1) यह प्रसंग कौन कहता है ?

2) यह किसकी रचना है ?

3) किस पाठ का है ?

4) कायरों की भांति कौन अपना प्राण बचाता है ?

(1×1=1)